1306 hours

SHRI RAHUL GANDHI (AMETHI): Thank you Madam Speaker for giving me the floor.... (*Interruptions*) मैं हिन्दी में भी बोलूंगा, आप लोग घबराइए मत।...(व्यवधान)

Two interesting speeches were made. One speech was made by Shri Galla from the TDP and the other speech was made from the BJP. I heard the speech of Shri Galla very carefully. I listened to everything which he said. In his speech, I sensed a certain anxiety, I sensed a deep feeling of pain and I want to tell him from here that they are the victim of the 21st century political weapon, a very fantastic political weapon. I want to also tell him that he is not alone. There are many victims like him in this country. The political weapon is called the *jumla* strike and the symptoms are the following.

First, there is a great sense of excitement, happiness and then there is a feeling of shock and after that, there are eight hour-long speeches. Now, who else are the victims of the *jumla* strike? They are the kisans of the country, the youngsters of the country, the Dalits, the tribals and the women of the country.

आपने बोला कि प्रधानमंत्री के शब्द का मतलब होना चाहिए और यही सवाल आज पूरा हिन्दुस्तान पूछ रहा है। जुमला स्ट्राइक नं. 1 - 'पन्द्रह लाख रुपये हर बैंक अकाउंट में', जुमला स्ट्राइक नं. 2 - 'दो करोड़ युवाओं को हर साल रोज़गार'।

रोजगार की बात पर चलते हैं। दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने की बात की थी।

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली): 12 करोड़ को दे दिया।...(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): आप कौन-सी दुनिया में हैं?...(व्यवधान) मेरे पास आंकड़े हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बिधूड़ी जी, आप बैठिए।

...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): मैडम, यह क्या है?

माननीय अध्यक्ष : बिधूड़ी जी, मैं देख रही हूं। आपसे पहले उनका नाम लिया है। आप उन्हें डिस्टर्ब मत करिए। आप बैठिए।

खड़गे जी, प्लीज, आप बैठिए। मैं इसकी चिंता कर रही हूं।

श्री राहुल गांधी (अमेठी): वर्ष 2016 में पूरे हिन्दुस्तान में चार लाख युवाओं को रोजगार मिला। ये लेबर ब्यूरो के सर्वे के डिटेल्स हैं, मेरे नहीं हैं। ये इनके आंकड़े हैं।

(1310/MY/KSP)

हिन्दुस्तान के युवा ने प्रधानमंत्री पर भरोसा किया था। हर भाषण में प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि मैं दो करोड़ युवाओं को हर साल रोजगार दूँगा। यह सच्चाई है कि

सिर्फ चार लाख युवाओं को रोजगार मिला है। मैं दूसरे तरीके से कहता हूँ, जो काम चाइना पचास हजार युवाओं को 24 घंटे में करने के लिए देता है, उसी काम को आप लोग चार सौ युवाओं को 24 घंटे में करने के लिए देते हैं। इनके खोखलेपन की यह सच्चाई है। इनके शब्दों की यह सच्चाई है। प्रधानमंत्री जी जहाँ भी जाते हैं, रोजगार की बात करते हैं। कभी कहते हैं, पकौड़े बनाओ; कभी कहते हैं, दुकान खोलो।

...(व्यवधान) रोजगार कौन लाएगा, रोजगार स्मॉल एंड मिडियम बिजनेस वाले लाएंगे, छोटे दुकानदार लाएंगे, कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में आएंगे। आपने क्या किया? पता नहीं, क्या हुआ, कहाँ से मैसेज मिला? आठ बजे रात को कालेधन के खिलाफ प्रधानमंत्री जी ने एक्शन लिया, डिमोनेटाइजेशन किया।...(व्यवधान) शायद समझ नहीं थी कि किसान, मजदूर, गरीब आदमी अपना धंधा कैश में चलाते हैं। ...(व्यवधान) मैं सूरत गया और सूरत के लोगों ने मुझे बताया कि प्रधानमंत्री जी ने हमें सबसे जबरदस्त चोट मारी है।...(व्यवधान) मैंने नहीं बोला, बल्कि उन्होंने बोला।...(व्यवधान)

आज हिन्दुस्तान में बेरोजगारी सात साल से सबसे ज्यादा है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों का सच है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: प्लीज, आप बैठे हुए लोगों का मत सुनिए।

श्री राहुल गांधी: मगर वहाँ ही नहीं रुके। जी.एस.टी. कांग्रेस पार्टी लाई थी।

...(व्यवधान) आपने विरोध किया था। गुजरात के चीफ मिनिस्टर ने विरोध किया था। हम चाहते थे कि एक जी.एस.टी. हो, पेट्रोल-डीजल उस जी.एस.टी. में हो,

हिन्दुस्तान के लिए एक टैक्स लगे और कम से कम डिसरपशन हो।...(व्यवधान) प्रधानमंत्री जी की जी.एस.टी., पाँच अलग-अलग जी.एस.टी. और आपने छोटे से छोटे दुकानदार के घर के अंदर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को डाल दिया। आपने करोड़ों-करोड़ों लोगों को बर्बाद किया। प्रधानमंत्री जी बाहर नहीं जाते है, ...(व्यवधान) नहीं; बाहर जाते हैं, बाहर जाने का मतलब अब्रॉड जाते हैं, ओबामा जी एवं ट्रंप जी के पास जाते हैं।...(व्यवधान) मगर अपना जो सिक्योरिटी कवर है उससे बाहर नहीं निकलते हैं।

प्रधानमंत्री जी की छोटे दुकानदारों (स्मॉल बिजनेसमैन्स) से बातें नहीं होती है। प्रधानमंत्री जी की बात सिर्फ सूट-बूट वाले 15-20 सबसे बड़े बिजनेसमैन से होती है।...(व्यवधान) जो छोटे दुकानदारों के दिल में है, जो किसानों के दिल में है, जो गरीबों के दिल में है, वह प्रधानमंत्री तक नहीं पहुँचता है। रोज़गार के पूरे सिस्टम को आपकी सरकार ने जबरदस्त ठोकर मारी, अन-इम्प्लाएमेंट फैलाया।

(1315/CP/SRG)

जैसा मैंने कहा कि जो पहले छोटी दुकान चलाकर, छोटा बिजनेस चलाकर, मिडियम साइज बिजनेस चलाकर पैसा कमाते थे, उनकी जेब के अंदर आपने हाथ डाला और उनका पैसा आपने छीन लिया। ...(व्यवधान) इस सच्चाई को बदला नहीं जा सकता है।

आपने बिल्कुल सही कहा, जियो के इश्तहार पर प्रधान मंत्री का फोटो आ सकता है। वे शक्तियां जो इनकी मदद करती हैं, वे 10-20 बड़े-बड़े बिजनेसमैन हैं,

उनके लिए ये सब कुछ करते हैं। …(व्यवधान) मगर बाकी हिंदुस्तान के लिए, गरीबों, कमजोरों के लिए दिल में थोड़ी सी भी जगह नहीं है। …(व्यवधान)

प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि मैं देश का चौकीदार हूं। मैं चौकीदारी करूंगा। मैं प्रधान मंत्री नहीं हूं, मैं देश का चौकीदार हूं। मगर जब *…(Not recorded)* …(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No name will go on record.

… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : किसी का भी नाम रिकार्ड में नहीं जाएगा।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : नाम निकाल दिया है, बोल दिया है।

…(<u>व्यवधान</u>)

HON. SPEAKER: No name will go on record.

… (*Interruptions*)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): जब *… (Not recorded)* …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नाम नहीं जाएगा। आप बैठिए।

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना): अध्यक्ष महोदया, किसी ने हमारा नाम लिया…(व्यवधान) किसी ने इंदिरा जी का नाम लिया। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बैठिए, रिकार्ड में नाम नहीं जाएगा।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष : बोल दिया है कि नाम रिकार्ड में नहीं जाएगा।

…(<u>व्यवधान</u>)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): जब प्रधान मंत्री के मित्र का पुत्र 16 हजार बार अपनी आमदनी को बढ़ाता है एक महीने में…(व्यवधान) तब प्रधान मंत्री के मुंह से एक शब्द भी नहीं निकलता है। …(व्यवधान)

राफेल हवाई जहाज, हमारी यूपीए की डील में हवाई जहाज का दाम 520 करोड़ रुपये प्रति हवाई जहाज था। …(व्यवधान) पता नहीं क्या हुआ, किससे बात हुई?…(व्यवधान) प्रधान मंत्री जी फ्रांस गए। वहां पर किसके साथ गए, पूरा देश जानता है। जादू से हवाई जहाज का दाम 1,600 करोड़ रुपये प्रति हवाई जहाज हो गया। …(व्यवधान) डिफेंस मिनिस्टर यहां बैठी हुई हैं। …(व्यवधान) उन्होंने पहले पब्लिक में कहा कि मैं देश को हवाई जहाज का दाम बताऊंगी। …(व्यवधान) उसके बाद डिफेंस मिनिस्टर ने क्लियरली बोला कि मैं यह आंकड़ा नहीं दे सकती हूं, क्योंकि फ्रांस की सरकार और हिंदुस्तान की सरकार के बीच में एक सीक्रेसी पैक्ट है। मैं स्वयं फ्रांस के राष्ट्रपति से मिला। …(व्यवधान) मैंने स्वयं फ्रांस के राष्ट्रपति से यह सवाल पूछा कि क्या ऐसा कोई पैक्ट हिंदुस्तान की सरकार और फ्रांस की सरकार के बीच में है? फ्रांस के राष्ट्रपति ने मुझे बताया कि ऐसा कोई पैक्ट हिंदुस्तान की सरकार और फ्रांस की सरकार के बीच में नहीं है। …(व्यवधान)

(1320/NK/KKD)

यह सच्चाई है, उन्होंने मुझे बताया। मुझे यह कहने में कोई ऐतराज नहीं है, आप इस बात को पूरे हिन्दुस्तान को बताइए।

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN): Madam, I object to it … (*Interruptions*)

SHRI RAHUL GANDHI (AMETHI): I am not yielding.

HON. SPEAKER: Nirmalaji, he is not yielding.

… (*Interruptions*)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA (GUNA): Madam, he is not yielding … (*Interruptions*)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): हिन्दुस्तान के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दबाव में आकर निर्मला सीतारमण जी ने देश से *… (Not recorded)*बोला है। किसकी मदद हो रही है, क्यों मदद हो रही है, निर्मला जी, प्रधान मंत्री जी, आप देश के बताइए। आपने असत्य बोला है।

HON. SPEAKER: He is not yielding.

… (*Interruptions*)

SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN: Madam, he is misleading the House … (*Interruptions*) Unfortunately, he has referred to my name … (*Interruptions*)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA (GUNA): Madam, he is not yielding … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : वे सदन में उपस्थित हैं, शायद डिफेंस मिनिस्टर का नाम लिया गया है।

…(व्यवधान)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA (GUNA): But Madam, he is not yielding.

HON. SPEAKER: Nirmalaji, I will allow you also after he concludes.

… (*Interruptions*)

SHRIMATI NIRMALA SITHARAMAN: That agreement was there during their time. I am doing something, which they had agreed then … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA (GUNA): Madam, he is not yielding.

HON. SPEAKER: I know that.

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं इसके बाद आपको मौका दूंगी। अभी वह यील्ड नहीं कर रहे हैं।

…(व्यवधान)

SHRI RAHUL GANDHI (AMETHI): The Defence Minister has clearly spoken an untruth. The fact of the matter is that the French President personally has told me that there is no secret pact… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : डिफेंस मिनिस्टर का नाम बार-बार नाम लिया जा रहा है इसलिए इसके बाद आपको बोलने का मौका दूंगी। She is present in the House. 'Defence Minister spoke untruth' you said

…(व्यवधान)

SHRI RAHUL GANDHI (AMETHI): The fact of the matter is this … (*Interruptions*) I met the gentleman in Delhi. You can check the records. And, the gentleman clearly said that there is no secret pact between the Indian Government and the French Government.

So, the Defence Minister has clearly spoken an untruth.

माननीय अध्यक्ष : यह 'untruth' शब्द नहीं जाएगा because she will clear her position.

… (*Interruptions*)

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Madam, 'untruth' is a parliamentary word … (*Interruptions*)

SHRI K.H. MUNIYAPPA (KOLAR): It is not un unparliamentary word … (*Interruptions*)

SHRI RAHUL GANDHI (AMETHI): Now, everybody understands the relationship the Prime Minister has with certain business people. Everybody knows it. Everybody understands and everybody can see the amount of money that goes into the marketing of India's Prime Minister; and everybody understands where it comes from. One of those people was given the Rafale contract and he earned thousands and thousands and thousands of crores. That contract was taken away from HAL.

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI ANANTHKUMAR): Madam, he cannot make an unsubstantiated statement … (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Hon. Members, please. मैं एक-एक शब्द को देख रही हूं।

…(व्यवधान)

SHRI RAHUL GANDHI (AMETHI): And, the gentleman benefited to the tune of approximately Rs. 45,000 core. This is the truth. Now,

the Prime Minister must explain. He must answer in this House whether the Cabinet Committee on Security took this decision or not. (1325/RP/SK)

The Prime Minister must also explain as to why this contract was taken away from HAL and the youngsters of Karnataka and given to a businessman who had a debt of Rs. 35,000 crore and who has never ever built an aeroplane in his life. … (*Interruptions*) These are the things that the Prime Minister of India must explain. He must explain why a businessman has been favoured. I know, I can see he is smiling but there is a touch of nervousness in the gentleman. … (*Interruptions*) There is a touch of nervousness in the gentleman. He is looking away from me. … (*Interruptions*) I can understand that.… (*Interruptions*) Now, he cannot look into my eyes. I can see that. … (*Interruptions*) It is because the Prime Minister has not been truthful. … (*Interruptions*) That is the fact.… (*Interruptions*) Now, let me move on.… (*Interruptions*) Let me go down the lists. … (*Interruptions*) The idea of demonetisation was to damage and reduce… … (*Interruptions*)

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI ANANTHKUMAR): Madam, I am on point of order.... (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: What point of order do you have?

... (*Interruptions*)

SHRI ANANTHKUMAR: Madam, I am quoting the rule.... (*Interruptions*) I am, drawing your attention to Rule 353.... (*Interruptions*) It very specifically says:

> "No allegation of a defamatory or incriminatory nature shall be made by a Member against any person unless the Member has given adequate advance notice to the Speaker and also to the Minister concerned, that includes, Prime Minister also, so that the Minister may be able to make an investigation into the matter for the purpose of a reply:"... (*Interruptions*)
>
> Provided that the Speaker may at any time prohibit any Member from making any such allegation if the Speaker is of opinion that such allegation is derogatory to the dignity of the House or that no public interest is served by making such allegation." ... (*Interruptions*)

Madam, what Shri Rahul Gandhi is doing, he is throwing the Rules of the Procedure to four winds and speaking....

(*Interruptions*) Everything he is speaking is baseless, without any substance or far from the truth. … (*Interruptions*) There is no document or anything else to support these frivolous charges. … (*Interruptions*) I know the entire family does not care for the Constitution. … (*Interruptions*) They do not care for the Rules of the Procedure also. … (*Interruptions*) They do not care for the Parliament also. … (*Interruptions*)

राहुल गांधी (अमेठी): पूरे देश ने अभी देखा है, मैंने माननीय प्रधानमंत्री जी के बारे में साफ-साफ बोला है, माननीय प्रधानमंत्री अपनी आंखें मेरी आंखों में नहीं डाल सकते हैं। …(व्यवधान) यह सच्चाई है। वह कभी इधर देख रहे थे, कभी उधर देख रहे थे। …(व्यवधान) यह सच्चाई है।…(व्यवधान) आप जितना भी चिल्लाएं, वह क्षण देश ने देख लिया है। देश को बात समझ में आ गई है।…(व्यवधान) चौकीदार नहीं हैं, भागीदार हैं।

अब फॉरेन पॉलिसी पर चलते हैं, थोड़ा फॉरेन पॉलिसी के बारे में बोलते हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने चीन के राष्ट्रपति के साथ गुजरात में नदी के किनारे झूला झूला था।…(व्यवधान) उसी समय चीन के हजार सैनिक हिंदुस्तान की टैरिटरी के अंदर थे।…(व्यवधान) उसके बाद चीन के राष्ट्रपति वापस गए।

(1330/RPS/RCP)

चाइना का राष्ट्रपति वापस जाता है और अपनी सेना को डोकलाम में भेजता है। ...(व्यवधान) हमारे सैनिकों ने अपनी शक्ति दिखाई।...(व्यवधान) हमारे सैनिकों ने अपनी शक्ति दिखाई और वे चाइना के सामने खड़े हुए, मगर उसी के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री जी चाइना जाते हैं और बिना एजेंडा के वुहान में चाइना के सामने कहते हैं कि बिना एजेंडा बात होगी, डोकलाम को हम यहां नहीं उठाएंगे।...(व्यवधान) यह बिना एजेंडा नहीं था, ...(व्यवधान) यह चाइना का एजेंडा था।...(व्यवधान) चाइना के सामने जो हमारे सैनिक खड़े हुए, वह काम हमारे प्रधानमंत्री नहीं कर पाए। ...(व्यवधान) और सैनिकों को प्रधानमंत्री ने ...(कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) दिया। ...(व्यवधान) यह सच्चाई है, इस पर कोई पर्दा नहीं डाल सकता है। ...(व्यवधान) किसान कहता है कि प्रधानमंत्री जी आपने हिन्दुस्तान के सबसे अमीर बीस-पच्चीस उद्योगपतियों का ढाई लाख करोड़ रुपये कर्ज माफ किया।...(व्यवधान) हिन्दुस्तान का किसान कहता है कि आपने उनका कर्ज माफ किया।...(व्यवधान) वह हाथ जोड़कर आपसे कहता है कि हमारा भी थोड़ा सा कर्ज माफ कर दीजिए,...(व्यवधान) और फाइनेंस मिनिस्टर कहते हैं – नहीं, नहीं, नहीं। किसान का कर्ज माफ नहीं होगा। ...(व्यवधान) सबसे बड़े उद्योगपतियों का होगा, किसान का नहीं होगा।...(व्यवधान) क्योंकि तुम लोगों में शक्ति नहीं है। ...(व्यवधान) तुम लोगों में दम नहीं है।...(व्यवधान) तुम लोग सूट नहीं पहनते, बूट नहीं पहनते।...(व्यवधान) किसान का बेटा स्कूटर-मोटरसाइकिल चलाता है।...(व्यवधान) पूरी दुनिया में पेट्रोल

के दाम नीचे गिर रहे हैं और हिन्दुस्तान में ऊपर जा रहे हैं, क्योंकि नरेन्द्र मोदी अपने मित्रों की जेब में पैसा डालना चाहते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप लोग बैठिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप लोग बैठिए। आप लोग भी सुनिए।

...(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): किसान कहता है कि मैंने प्रधानमंत्री जी को अपना वोट दिया था।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप सभी लोग बैठिए। राहुल जी, आप भी बैठिए। मैं आप सभी से निवेदन कर रही हूं, बोलने वालों से भी मैंने हमेशा निवेदन किया है कि बोलते समय कोई ऐसी बात न बोलें। यह आम सभा भी तो नहीं है। यहां जो भी फैक्ट्स एंड फिगर्स आप रख सकते हैं, बिल्कुल रखिए। शब्द भी ऐसे यूज किए जाने चाहिए कि चाहे आप किसान के लिए बोलें, चाहे प्रधानमंत्री के लिए बोलें। मैं यह निवेदन आप सभी से करना चाहती हूं। आरोप भी लगाएं, अगर हमारे पास ऐसा प्रमाण है तो जरूर लगाओ। सभी लोग कृपा करके थोड़ा संयम रखें और भाषा भी ठीक रखें।

...(व्यवधान)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): ये हर बात में नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज बैठिए। ऐसी कोई बात नहीं आई है।

…(व्यवधान)

श्री अनन्तकुमार: मैडम, ऐसा नहीं बोलना चाहिए। …(व्यवधान) अगर वह हर बार रूल्स का उल्लंघन करेंगे और उनके पास कोई सबूत नहीं है। …(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): डरो मत।…(व्यवधान) डरो मत। …(व्यवधान)

(1335/asa/smn)

माननीय अध्यक्ष : हां, ठीक है, जवाब भी तो आएगा।

…(<u>व्यवधान</u>)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्त कुमार) : माननीय अध्यक्ष जी, वह जो कह रहे हैं, यदि उनके पास कोई सबूत है तो उन्हें सदन के सामने पेश करना चाहिए नहीं तो अनाप-शनाप बात के लिए क्षमा-याचना करनी चाहिए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं किसी को भी सुनने की स्थिति में नहीं हूं।

…(<u>व्यवधान</u>)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 1345 hours

1337 hours

The Lok Sabha then adjourned till forty five minutes past Thirteen of the Clock.

(1345/RAJ/MMN)

1345 बजे

लोक सभा तेरह पैंतालीस बजे पुनः समवेत् हुई।

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुईं)

माननीय अध्यक्ष : सभी लोग शांत हो जाइए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मेरा आप सभी से निवेदन है कि यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। इसलिए आज हम प्रश्न काल एवं अन्य सभी काम स्थगित करके, पूरे दिन के लिए यह चर्चा ले रहे हैं। मैं मानती हूं कि यह नो-कान्फिडेंस मोशन है लेकिन नो-कान्फिडेंस मोशन में भी डायरेक्ट आरोप भी साधरणतया नहीं लगाए जाते हैं। अगर कोई डायरेक्ट आरोप लगाते हैं तो यह बात भी सही है कि सबूत होना चाहिए।

आपको नियम भी मालूम है कि किसी व्यक्ति या किसी मंत्री पर आप डायरेक्ट नाम ले कर आरोप लगाते हैं।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब आप मुझे भी तय करेंगे, अगर मेरी बात ठीक नहीं लगे तब बोलिए।

मंत्री जी को भी बात एक्सप्लेन करने का समय मिलेगा, उन्हें समय देना पड़ेगा। अब आप बोलेंगे कि उस समय भी यील्डिंग कर दें। वास्तव में वह उचित नहीं है। फिर भी, मैंने आपकी बात मान ली।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप भी यही कर रही हैं, आप भी यही कर रहे हैं तो आप लोग यहां आ जाइए, कोई भी यह करो। I am ready. कृपया ऐसा न करें।

मैं चाहती हूं कि यह डिबेट अच्छी तरह से हो जाए। इसलिए मेरा कहना है कि अगर हमें यह नहीं मालूम है कि पहले भी यह हुआ है, जैसे राहुल जी मैं आपको बताना चाहूंगी। मान लीजिए जब आपने डिफेंस मिनिस्टर का नाम ले कर दो बार कुछ आरोप लगा दिए तो उनको भी वहीं पर एक्सप्लानेशन का अधिकार मिलता है। उस समय हम यह कहें कि हम यील्ड नहीं करे रहे थे। आप यील्ड नहीं कर रहे थे, इसलिए मुझे बोलना पड़ा। इनके भाषण के बाद मैं इसलिए एक्सप्लेन कर रही हूं कि मैं भी क्या करूं।

साधरणतया यील्ड किया जाता है। मैं भी कई सालों से इस लोक सभा में हूं। मैंने कई बड़े-बड़े लोगों के भाषण देखे हैं, डिबेट देखा है, आरोप-प्रत्यारोप सब कुछ देखा है। अगर कुछ ऐसा होता है, कुछ आरोप लगता है, सामने वाला कुछ कहना चाहता है तो मैंने बहुत बड़े लोगों को भी यील्ड करते हुए देखा है। I am sorry. आप मेरी बात मानें। मैंने देखा है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बीच में नहीं बोलेंगे। मैं केवल जनरल बात कर रही हूं। मैं किसी के लिए व्यक्तिगत नहीं बोल रही हूं।

मैंने यह देखा है कि यील्ड किया जाता रहा है। अगर अरोप लगाएं और सामने वाला खड़ा हो, जिस पर आरोप है, वह कुछ बोलना चाहता है तो यील्ड करना कोई अपमान की बात नहीं है। जब हम बोलते हैं तो सामने वाले को भी बोलने का, एक दूसरे का आदर होता है। लेकिन यहां पर मुझे यह सब कुछ इसलिए करना पड़ा, अगर नहीं यील्ड करते तो सभा का यह भी नियम है कि भाषण देने वाला जिसका मैंने नाम लिया, अगर वह यील्ड नहीं करता तो मैं दूसरे को मौका नहीं दे सकती। ऐसा भी कई बार होता आया है। इसलिए मैंने कहा कि चूंकि डिफेंस मिनिस्टर पर कुछ आरोप डायरैक्ट लग रहा है तो मैं आपके बाद तुरंत उनको बोलने का मौका दूंगी। अगर यह ग्रेसफुली होता, वह यील्ड करते तो तुरंत मौका भी मिल जाता। वह नहीं हो रहा है तो मुझे बोलना पड़ा कि मैं बाद में बोलने का मौका दूंगी। मेरा इतना ही कहना है।

(1350/IND/VR)

दूसरी बात यह है कि अविश्वास प्रस्ताव पूरे मंत्रिमंडल पर है। आप प्रधान मंत्री को टार्गेट करो, मुझे कुछ नहीं करना है लेकिन मैंने शुरू में ही कहा था कि भाषा ठीक रखें। अगर हम डायरेक्ट आरोप रकम को लेकर लगाते हैं तो कुछ न कुछ प्रूफ भी हमें देना पड़ता है। ...(व्यवधान) आप इतने भी उत्तेजित मत होइए। जैसा मैंने श्री जैदेव गल्ला के भाषण के समय भी कहा कि कई बार होता है कि आप सभी के हल्ले-गुल्ले में कोई बात छूट जाती है, जो रिकार्ड में नहीं जानी चाहिए। मैं बाद में भाषण को जरूर

देखूंगी और यदि कोई गलत बात रिकार्ड में आती है, तो उसे एक्सपंज करने का अधिकार भी स्पीकर को होता है। यदि कोई गलत बात रिकार्ड में गई है, तो उसे रिकार्ड से हटाया जाएगा। बिना प्रूफ के यदि कोई गलत आरोप लगा है और वह सही नहीं है, तो उसे भी एक्सपंज करने का अधिकार मेरे पास है। मेरा सभी से निवेदन है कि आप अपनी भाषा ठीक रखें और डेकोरम मेनटेन रखें। आप एक-दूसरे की बात को सहन करें। एक-दूसरे के लिए यील्ड भी करें, तो उसमें किसी का कोई अपमान नहीं होना चाहिए। यह ऑब्जेक्शन आ रहा है कि प्रधान मंत्री पर आरोप करते समय कुछ आंकड़े दिए गए हैं और यदि इन आंकड़ों का हमारे पास कोई प्रूफ नहीं है, तो वे आंकड़े रिकार्ड में नहीं जाने चाहिए। सदन में फ्रांस के राष्ट्रपति का नाम लिया गया। यह भी उचित नहीं है, क्योंकि वे सदन में बोलने के लिए उपस्थित नहीं हैं, ऐसा भी नहीं होना चाहिए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): कंट्री का नाम तो लिया जा सकता है।

माननीय अध्यक्ष : कंट्री की बात अलग है, लेकिन किसी की आपस में क्या बात हुई है, वह बात नहीं कही जाती है। हम कई बातों का डेकोरम मेनटेन करें, तो अच्छा रहेगा, यही मेरा निवेदन है। मैं बाद में भाषण देखूंगी और एक्सपंज के बारे में निर्णय करूंगी।...(व्यवधान) आप अभी युवा हैं और बहुत सालों तक काम करना हैं। हमें चीजों को समझना चाहिए।

श्री राहुल गांधी (अमेठी): डरो मत, सच्चाई से डरो मत। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, किसानों की बात हो रही थी। किसानों ने प्रधान मंत्री से हाथ जोड़ कर कहा था कि आप हमारा भी कर्जा माफ कीजिए। देश के 15-20 सबसे अमीर

लोगों के ढाई लाख करोड़ रुपये माफ किए, मगर किसानों की आवाज नहीं सुनी। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माफ किया नहीं है।

…(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): कुछ ही दिन पहले एक नया जुमला स्ट्राइक एमएसपी का आया। मैं हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और देश के अन्य राज्यों के किसानों को बताना चाहता हूं कि एमएसपी में प्रधान मंत्री जी ने पूरे देश में किसानों को 10 हजार करोड़ रुपयों का फायदा दिया है, लेकिन कर्नाटक की सरकार ने सिर्फ एक प्रदेश में 34 हजार करोड़ रुपये अपने किसानों को देने का काम किया है। …(व्यवधान)

महोदया, अब मैं देश में महिलाओं की स्थिति के बारे में बोलने जा रहा हूं। कुछ ही दिन पहले इकोनॉमिस्ट मैगज़ीन के कवर पर लिखा था कि हिंदुस्तान अपनी महिलाओं की रक्षा नहीं कर पा रहा है। …(व्यवधान)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA (GUNA): It is shame. … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप 'शेम' शब्द बोल रहे हैं, यह सबके लिए 'शेम' हो जाएगा।

…(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): बाहरी देशों का ओपीनियन है कि हिंदुस्तान पहली बार अपनी हिस्ट्री में, हजारों साल पहले नहीं हुआ, मगर पहली बार अपनी हिस्ट्री में अपनी

महिलाओं की रक्षा नहीं कर पा रहा है।...(व्यवधान) गैंग रेप होता है।...(व्यवधान) महिलाओं पर अत्याचार होता है।...(व्यवधान)

(1355/vb/san)

मैंने कहा कि हिन्दुस्तान के इतिहास में पहली बार हिन्दुस्तान की ऐसी रेप्यूटेशन बन रही है। ऐसा इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है। ...(व्यवधान) जहाँ भी देखो, ...(व्यवधान) महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है।...(व्यवधान) पूरे देश में आदिवासियों और माइनोरिटीज पर अत्याचार हो रहे हैं।...(व्यवधान) लोग मारे जा रहे हैं, पीटे जा रहे हैं, कुचले जा रहे हैं।...(व्यवधान) लेकिन, प्रधान मंत्री के मुँह से एक शब्द नहीं निकल सकता है। ...(व्यवधान) क्या दलित, माइनोरिटीज और आदिवासी हिन्दुस्तान के नहीं हैं? ...(व्यवधान) क्या ये लोग किसी और देश के हैं? ...(व्यवधान) क्या ये महिलाएँ हमारे देश की नहीं हैं? ...(व्यवधान) जब ऐसा होता है, तो प्रधान मंत्री के मुँह से एक भी शब्द क्यों नहीं निकलता है? यह मेरा सवाल है।...(व्यवधान) आप अपने भाषण में इसका जवाब दें। ...(व्यवधान) उलटा, उनके मंत्री जाकर उनको हार डालते हैं। ...(व्यवधान) इससे हिन्दुस्तान के कानून का क्या होगा? ...(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI JAYANT SINHA): Madam, I want to clarify. ... (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : कृपया बैठ जाइए। दोनों तरफ से शोर हो रहा है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: किसी का नाम नहीं लिया गया है।

…(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): जहाँ भी देखो, कहीं न कहीं, किसी न किसी हिन्दुस्तानी को मारा जा रहा है, पीटा जा रहा है, कुचला जा रहा है, दबाया जा रहा है…(व्यवधान) और उस पर प्रधान मंत्री एक शब्द नहीं कहते हैं। …(व्यवधान)

श्री जयंत सिन्हा : राहुल गांधी, मेरी आँखों में देखकर बोलो। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अनुराग जी, प्लीज बैठिए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मोहम्मद सलीम, आपको क्या हो गया है?

…(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): जहाँ भी देखो, कहीं न कहीं, किसी न किसी हिन्दुस्तानी की हत्या हो रही है, पीटा जा रहा है, मारा जा रहा है, दबाया जा रहा है। …(व्यवधान) यह देश को शोभा नहीं देता है। …(व्यवधान) जब ऐसी बातें होती हैं, तो प्रधान मंत्री का फर्ज़ बनता है कि वह देश को बताएँ, अपने दिल में देखें और देश को बताएँ। …(व्यवधान)

मैंने काफी लम्बा भाषण दिया है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज बैठिए। आप बोलते रहिए।

…(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (अमेठी): जब भी किसी को मारा जाता है, दबाया जाता है, कुचला जाता है, पीटा जाता है, तो यह सिर्फ उस व्यक्ति पर हमला नहीं हो रहा है, …(व्यवधान)

बल्कि अम्बेडकर जी के संविधान पर और इस हाउस पर हमला हो रहा है।...(व्यवधान)